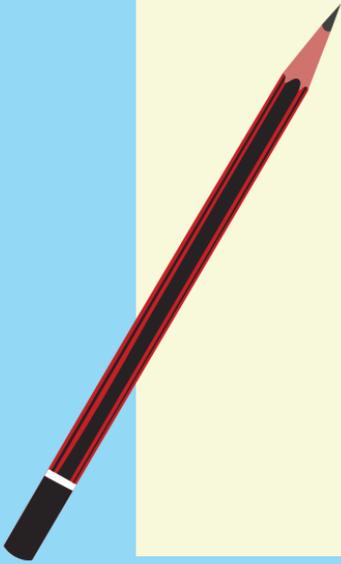


अँक्टिविटी १

दिए गए संकेतों की
सहायता से अपना
वर्णन करें



उद्देश्य



बच्चों को अपनी पहचान, रुचियों और
आकांक्षाओं पर विचार करने के लिए
प्रोत्साहित करना

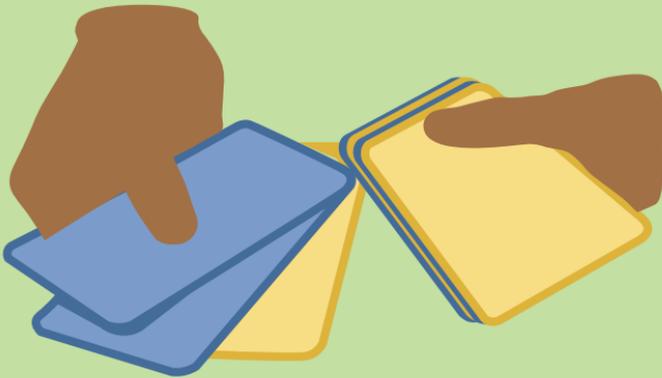


प्रभावी ढंग से संवाद करने की
उनकी क्षमता को बढ़ावा देना



कैसे संचालन करें ?

दिए गए चित्र के अनुसार
फ्लैशकार्ड बच्चों में बाँटें



बच्चों को बताएं:

"उन्हे फ्लैशकार्ड पर लिखे संकेतों को देखने के लिए कहें"



उन्हे दी गई श्रेणियों की सहायता से खुद का वर्णन करने के लिए कहें



मेरा पसंदीदा शौक

“प्रत्येक श्रेणी में
जानकारी भरे”



"पूरा होने के बाद,
बच्चों को अपनी
प्रतिक्रियाएँ दूसरों के
साथ बाँटने के
लिए बुलाये "



मेरा परिचय

मेरा नाम

मेरा पता

मेरी उम्र

मेरा जन्मदिन

मेरा काम

मेरा पसंदीदा शौक



मेरा परिचय

मेरा नाम

मेरा पता

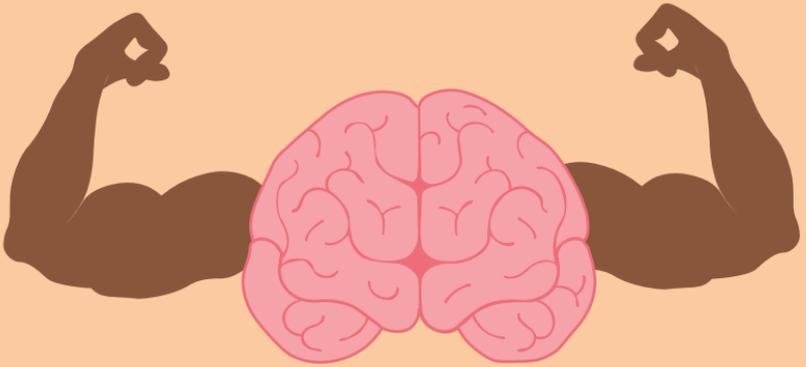
मेरी उम्र

मेरा जन्मदिन

मेरा काम

मेरा पसंदीदा शौक

शिक्षा पाठ के नतिजे



अपने विचारों और अनुभवों से
आत्मविश्वास बढ़ाएं

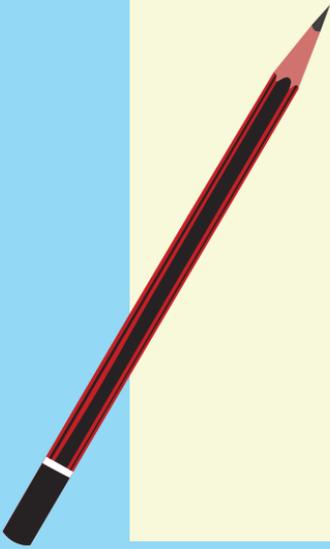


स्वयं को स्वीकार कर सकारात्मक आत्म-छवी का विकास



अँक्टिविटी २

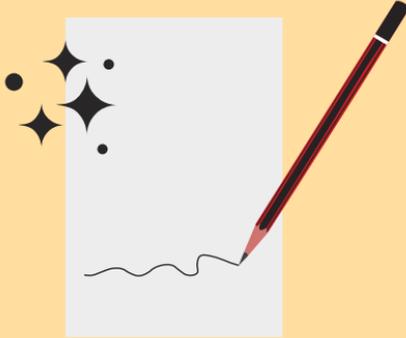
दिए गए पैराग्राफ को
निश्चित समय सीमा
के भीतर सुंदर लिखावट
में लिखें



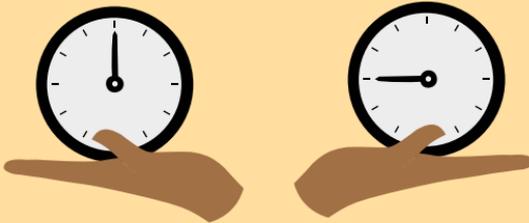
उद्देश्य



उनकी लिखावट की सुपाठ्यता और
साफ-सफाई में सुधार करें



बच्चों को अपना समय प्रभावी
ढंग से प्रबंधित करने के लिए
प्रोत्साहित करें



कैसे संचालन करें ?

नीचे लिखा हुआ अनुच्छेद प्रदान करें:

मेरा नाम नदी है, मैं जहाँ से भी गुजर जाती हूँ, वहाँ की धरती, पशु-पक्षी, खेल-खलिहानों आदि सब की प्यास-बुझा देती हूँ। मेरे आगमन से उनकी प्यास बुझ जाती है और वे फिर से हरे-भरे हो जाते हैं। समय-समय पर मेरे अनेक नाम पड़ गए हैं। नदी, नहर, तटिनी, सरिता, क्षिप्रा आदि मेरे ही नाम हैं। मैं तेज प्रवाह से बहती हूँ, इसीलिए लोग मुझे प्रवाहिनी कहते हैं और बहते समय मैं 'सर-सर' की ध्वनि करती हूँ, इसलिए लोग मुझे सरिता कहते हैं।

बच्चों को बताएं:

"बच्चों को कागज और
लेखन सामग्री
उपलब्ध कराएं"



कैसे संचालन करें?

नीचे लिखा हुआ अनुच्छेद प्रदान करें:

मेरा नाम नदी है, मैं जहाँ से भी गुजर जाती हूँ, वहाँ की धरती, पत्तु-पक्की, खेत-बलहिनो आर्दा सब की पचास-मुझा देती हूँ। मेरे आगमन से उनकी पचास बृद्ध जाती है और वे फिर से हरे-भरे हो जाते हैं। समय-समय पर मेरे अनेक नाम पब गए हैं। नदी, नहर, लटमि, सरति, कल्पिआ आर्दा मेरे ही नाम हैं। मैं तेज परवाह से बहती हूँ, इतीलपि लोग मुझे परवाहनि कहते हैं और बहते समय मैं 'सर-सर' की ध्वनि करती हूँ, इसलपि लोग मुझे सरति कहते हैं।

"बच्चों को दिए गए
अनुच्छेद को साफ-सुथरी
और सुंदर लिखावट में
लिखने के लिए कहें"



"उन्हे 30 मिनट की समय सीमा दें"



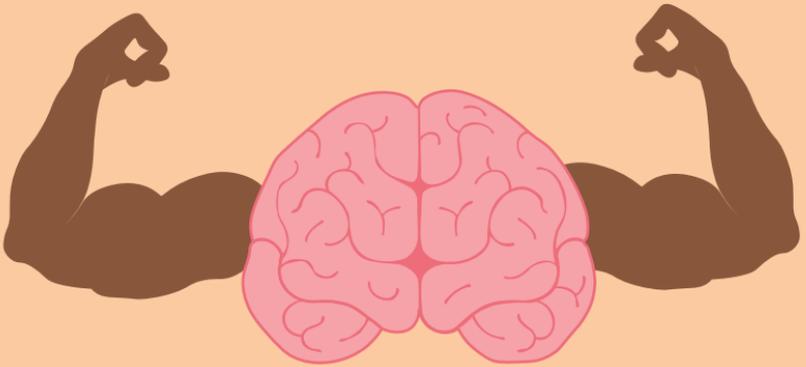
"पूरा होने के बाद, प्रत्येक छात्र के काम का विश्लेषण करें"



"सबसे अच्छी लिखावट वाले को प्रमाणपत्र दें"



शिक्षा पाठ के नतिजे



बढ़िया मोटर कौशल और विस्तार
पर ध्यान बढ़ाएँ



आत्म-अभिव्यक्ती और रचनात्मकता
का विकास करें

